

- Azam Khan: सपा नेता आजम खान की तबीयत बिगड़ी, दिल्ली के इस अस्पताल में हुए भर्ती
- Atiq Ashraf: अतीक का ISI से कनेक्शन! माफिया ने बार-बार लिया गुड मुस्लिम का नाम, अशरफ भी कहना चाहता था कुछ
- WPI Inflation: थोक महंगाई दर में आई गिरावट, मार्च में फरवरी के 3.85% के मुकाबले घटकर 1.34% पर पहुंची
- Delhi Assembly Session: 'आप' का आरोप, CM को गिरफ्तार करा दिल्ली सरकार को अस्थिर करने के प्रयास में केंद्र
- Chrisann Pereira: बॉलीवुड अभिनेत्री क्रिसन पेरैरा को अरब पुलिस ने किया जेल में बंद, ड्रग्स मामले को लेकर हुई है
- Supreme Court: समलैंगिकों के विवाह के खिलाफ सरकार का तर्क- शहरी अभिजात वर्ग की सोच पूरे समाज पर नहीं थोप सकती
- Supreme Court: टीएमसी महासचिव अभिषेक बनर्जी से ईडी-सीबीआई की पूछताछ पर रोक, सुप्रीम कोर्ट ने लगाया रट्टे

# खंडवा में बवाल छात्रा को पीटा, युवकों का अपहरण किया

● डिटैक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

खंडवा। खंडवा में रविवार देर रात मोटो वाने पर पहराब हो गया। मुस्लिम समुदाय के कुछ लोग समाज की एक छात्रा को लेकर जाने पहुंचे थे। छात्रा ने रविवार दोपहर समाज के ही कुछ लोगों पर मारपीट का केस कराया था। जिसके बाद लोग पार्श्व के साथ उसे दोहरा जाने लेकर पहुंचे थे और दूसरे पक्ष के दो युवकों पर केस दर्ज करने का दबाव डाल रहे थे। इसी बीच पार्श्व समर्थकों ने पहराब कर दिया। पुलिस ने बत प्रयोग कर लोगों को खंडेड़ा।

विद्यार्थी की सख्त-सख्त रविवार दोपहर हुई थी। रात के आठ-दस बजे विद्यार्थी पार्श्व स्टॉप में नवमालिका छात्रा को दो युवकों के साथ बड़े ट्रक कुछ लोगों ने हंगामा कर दिया। युवकों का आरोप है कि 8-10 लोगों ने अज्ञात मारपीट की। इसके बाद अपहरण कर छात्रावासी इलाके में ले गए। पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों युवकों को बुझाकर उनकी जान बचाई। फौरन पुलिस ने इस मामले में आरोपियों के खिलाफ अज्ञात और मारपीट की दो FIR दर्ज की है।

देर रात मुस्लिम समाज के लोग निरक्षर केस में नवमालिका को लेकर युवकों पर छेड़खानी का केस दर्ज करने के लिए पहुंचे थे। इधर, इसी बीच समाज के कुछ पक्ष पत्नी लोगों पर कुछ लोगों ने हमला कर दिया। ये घटना मॉर्नेशन गेट पर हुई। दुष्वाह्यकी में 3 लोग मारपीट हो गए, जिन्हें मिल अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने छात्रा पर कानून तुरंत शुरू करने में धारा 144 लगा दी है।

## छात्रा टीकर और पारिषद के साथ थी, लेकिन आरोपी नहीं माने

पुलिस के अनुसार रविवार दोपहर छात्रा से तीन बजे के बीच आन्दोलन विस्तार एक केस में 10वीं की छात्रा माला चौक में रहने वाले अपने टीकर सख्त कुम्हार खान और पारिषद अज्ञात वरुण के साथ स्टॉप में एक ट्रक पर बैकबैक जूट पी गई थी। पीड़ित युवक ने बताया कि छात्रा को ट्रक मुस्लिम समाज के कुछ लोग मारू पर कानून का केस दर्ज किया। उन्होंने छात्रा का नाम और पता भुगत और इलाका बताया। छात्रा इलाका में नाम-पता बताने में डर नहीं। छात्रा से पूछा कि क्या नहीं बेंटी हो, तो उसने कहा कि मैं हमला आसानी ममान है। उसने बताया कि उनसे एक मारपीट टीकर है, दूसरे पारिषद है, लेकिन ये लोग नहीं माने और पूरी तरह मारपीट करने लगे।

मारपीट के विचार हुए टीकर सख्त ने उन्हें बताया भी कि छात्रा ट्रक में स्टॉप है। उसका पता अपने पास है और वह पार्श्व के लिए कुछ दिनांक मारपीट जाने वाली है, इसलिए स्टॉप में निम्न और तुर



## FIR हुई तो पार्श्व छेड़खानी की झूठी रिपोर्ट लिखवाने आया, थाने पर पथराव किया

थाने आर है, आप लोग गलत समझ रहे हो। लेकिन आरोपियों ने उनको बत नहीं मानी। पीड़ित विद्यार्थी और युवक ने बताया कि आरोपियों ने स्टॉप में छात्रा के अज्ञात हम देने के साथ पूरी तरह मारपीट शुरू कर दी। आरोपी पीटने-पीटने इसे स्टॉप में छेड़ कर लेकर पहुंचे। फिर हमारा अपहरण कर लिया। CCTV फुटज में आरोपी मारू पर कानून का केस दर्ज करने नर आ रहे हैं।

## थाना परिसर में पथराव, पार्श्व हिरासत में, लोगों को खंडेड़ा

पठना के बाद पार्श्व अज्ञात विद्यार्थी मारू पर फिर कुछ लोगों के साथ थाने पहुंचे। उन्होंने पुलिस से कहा कि छात्रा पर दबाव बनकर FIR कराई गई है। दोपहर रिपोर्ट लिखा। पुलिस ने समाधान देने की कोशिश की। पूरी रात हमला करने और पार्श्व समर्थकों ने पहराब कर दिया। थाना परिसर में भी पथराव किया। SP सत्येंद्र कुमार शुक्ल भी थाने पहुंचे। पुलिस ने पार्श्व को हिरासत में लिया और तुर

को स्टॉप में खंडेड़ा। इसी बीच मॉर्नेशन में मारपीट पहराब हो गया। पुलिस फौरन दबाव के साथ मॉर्नेशन पहुंचा। हालात कानून में निम्न। थाने में धारा 144 लगा देने को सूचना लोगों को दी है।

## आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज, दो आरोपी गिरफ्तार

मोटो टीआई बुजुर्गपुत्रा के बतया- मारपीट के मामले में अज्ञात विद्यार्थी निम्न अज्ञात आरोपी खानवासी, मॉर्नेशन निवासी छीप कालीने, शादम निवासी मुल्मोहन कालीने और मो. इफ्तेक निवासी दुर्गे कालीने के खिलाफ दो एकआईआर दर्ज हुई हैं। पीड़ित ने आरोपियों के खिलाफ मारपीट का केस दर्ज कराया है। सख्त और अज्ञात ने इसी आरोपियों के खिलाफ अज्ञात, मारपीट और जान से मारने को धमकी देने को धाराओं में केस दर्ज करवाया है। आरोपियों में से दो को गिरफ्तार कर लिया है।

## हिरासत में पार्श्व, पठना रिवाँडे देखा पुलिस कर्मचारी कारवाई

SP सत्येंद्र कुमार शुक्ल का कहना है, कुछ लोग शान को थाने आर और छात्रा की और से दोहरा केस दर्ज करवाने को मांग करने लगे। जबकि, पीड़ित अपने बतान पारसे से ही दर्ज कराया चुकी थी। ये दूसरी बार दुर्गे रिपोर्ट दर्ज करवाने का दबाव बना रहे थे। इसी दौरान हमला करने लगे। पार्श्व निम्न को हिरासत में निम्न तो उनके समर्थकों ने पहराब पहराब किया, जिन्हें अज्ञात था। रिवाँडे में है। इलाक को दोहरा हुए शान से धारा 144 लगाई गई है। पठना रिवाँडे देखाकर निम्न पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।



# सावधान! आप भी तो नहीं बन रहे फर्जी मैट्रिमोनियल वेबसाइट्स का शिकार

**मध्य प्रदेश  
साइबर पुलिस  
ने कुवैत  
रुतबों को  
शादी का झांसा  
देकर लाखों**

**ऐसे चलता है  
ठगी का धंधा**

कम पैसे में शादी करना चाहते हैं तो फर्जी मैट्रिमोनियल वेबसाइट्स का उपयोग करें। इन वेबसाइट्स पर शादी के नाम पर लाखों रुपये का धंधा चल रहा है। फर्जी मैट्रिमोनियल वेबसाइट्स का उपयोग करके शादी के नाम पर लाखों रुपये का धंधा चल रहा है। फर्जी मैट्रिमोनियल वेबसाइट्स का उपयोग करके शादी के नाम पर लाखों रुपये का धंधा चल रहा है।



विवाह के बंधन  
में बंधने से पहले  
एक बार तहकीकात  
ज़रूर करवाएँ

लीजिये डिटेक्टिव  
की मदद

+91-91110 50101

www.detectivegroup.in



## संपादकीय

### समस्या और चुनौती

तंबाकू को लेकर नीतिगत फैसलों के किस पहलू को सही ठहराने की कोशिश की जाती है। अगर सरकार तंबाकू आधाटित उत्पादों को स्वास्थ्य के लिहाज से खतरनाक मानती है तो उनकी बिक्री और उससे आगे उत्पादन को लेकर कोई ठोस नियमन क्यों नहीं हो सकता? यह छिपा नहीं है कि गुटखा या तंबाकू आधाटित उत्पादों की वजह से कैंसर या अन्य कई गंभीर रोग आज जनस्वास्थ्य के लिए एक बड़ी समस्या और चुनौती के रूप में सामने है। सुप्रीम कोर्ट ने साफ लहजे में कहा कि गुटखा बेचना कोई अनूत बेचना नहीं है; इस पर स्थायी तोर पर पाबंदी क्यों नहीं लगाई जाती? जाहिर है, अदालत ने एक तरह से यह बुनियादी सवाल उठाया है कि अगर सरकार यह मानती है कि गुटखा या तंबाकू उत्पादों से लोगों की सेहत को गंभीर नुकसान पहुंचता है तो इसके उत्पादन और बिक्री को लेकर कोई ठोस नियमन क्यों नहीं है। यह विरोधाभास ही है कि एक ओर देश भर में लोगों की सेहत को सुरक्षित बनाने के लिए सरकार की ओर से सख्त नियमन-कायदे लागू किए जाते हैं और उन पर अनल सुनिश्चित कराया जाता है, दूसरी ओर रोजमर्रा की जिंदगी में स्वास्थ्य के लिए खतरा साबित होने वाली चीजों की बिक्री को लेकर लापरवाही का आलम कायम रहता है। गौरीलख है कि तमिलनाडु में मद्रास उच्च न्यायालय ने राज्य के खाद्य सुरक्षा आयुक्त की 2018 की उस अधिसूचना को रद्द कर दिया था, जिसके जटिल गुटखा और अन्य तंबाकू आधाटित उत्पादों की बिक्री, निमार्ण और माल ढुलाई पर टोक लगाई गई थी। हाई कोर्ट के उसी आदेश के खिलाफ तमिलनाडु सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। सही है कि तमिलनाडु सरकार आम लोगों के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने वाले इन पदार्थों की बिक्री पर टोक लगाने की कोशिश की, लेकिन ऐसे नियम क्यों होते हैं कि हर अगले साल नए सिरे से उनके लिए अधिसूचना जारी करनी पड़ती है? इस सवाल उठाने हुए सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने सही ही पूछा कि हर साल ऐसी अधिसूचना जारी करने के बजाय स्थायी रूप से इस पर पाबंदी क्यों नहीं लगाई जाती? लेकिन तमिलनाडु सरकार की ओर से इसका विपरीत जवाब यह दिया गया कि निर्माता कंपनियों पान-मसाला और तंबाकू अलग-अलग पाउच में बेचती हैं, इसलिए इस पर स्थायी पाबंदी नहीं लगाया जा सकता है।

# भुवनेश्वर में हैं ये 7 सबसे फेमस मंदिर, दर्शन के लिए हर दिन पहुंचते हैं हजारों लोग



ओडिशा के भुवनेश्वर को मंदिरों का शहर कहा जाता है। यहां न केवल देश से बल्कि दुनिया भर से बहुत सारे पर्यटकों को आकर्षित करता है। शहर में और उसके आसपास कई पुराने मंदिर हैं, जो बेहद प्राचीन हैं जहां दूर-दूर से लोग दर्शन के लिए आते हैं। यहां भुवनेश्वर के कुछ फेमस मंदिरों के बारे में बता रहे हैं। जहां आप परिवार के साथ दर्शन के लिए जा सकते हैं।

#### ● 1) त्रिपुराज मंदिर

त्रिपुराज मंदिर शहर का सबसे बड़ा और पुराना मंदिर है। ये मंदिर भगवान शिव को समर्पित है, जिसे राज जगन्नी केराटी ने बनवाया था। मंदिर को चार भाग में बांटा गया है, गंध पूजा, शयन, भोग मंडप और नट्यमण्डल। केवल मीनार ही नहीं, बल्कि भोग मंडप की दीवारों में भी मूर्तियां हैं।

#### ● 2) राजराजी मंदिर

त्रिपुराज मंदिर के समान राजराजी मंदिर 13वीं शताब्दी की कनिष्ठ वास्तुकला पर बना है। यहां की मूर्तियां भगवान शिव और देवी पार्वती के विराट को दर्शाती हैं। इस मंदिर का एक और महत्व यह है कि इसका निर्माण उसी समय

किया गया था जब पुरी में कन्याश्वर मंदिर था।

#### 3) परशुरामेश्वर मंदिर

परशुरामेश्वर मंदिर 7वीं और 8वीं शताब्दी के बीच सेलेक्टड काल में बनवाया गया है। इस मंदिर का रक्षाखण्ड और प्रशासन भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा किया जाता है।

#### ● 4) राम मंदिर

राम मंदिर भगवान राम, उनकी पत्नी, देवी सीता और उनके भाई भगवान लक्ष्मण को समर्पित है। मंदिर रंग से रंगे मंदिर को देखने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं। राममंडप, शिवमंडप, जगन्मठमंडप और दक्खन जैसे रूप अलग-अलग के दौरान यहां का महोत्सव देखने

लक्ष्मण होता है। इसे भुवनेश्वर में सबसे महिरी में से एक माना जाता है।

#### ● 5) ब्रह्मा मंदिर

ये मंदिर भगवान ब्रह्मा को ऐतिहासिक यात्रा का प्रतीक है। मंदिर में भगवान ब्रह्मा के शाल्वत क्लेश कलागट्ट अक्षर हैं, जो इस ऐतिहासिक मंदिर का सबसे अच्छा आकर्षण है। शिव के समान इस मंदिर में जल, कर्बक इस दौरान यहां पौडन भगवान ब्रह्मा की पूर्ण महिमा के साथ पूजा करते हैं।

#### ● 6) परशुरामेश्वर मंदिर

यह भुवनेश्वर के सबसे प्राचीन मंदिरों में से एक है,

जिसका निर्माण 7वीं शताब्दी की शुरुआत में हुआ था। भगवान शिव को समर्पित, यह मंदिर अधिश्चर्यासनीय सार का दावा करता है जो आपके मन और आत्मा को शांत करेगा।

#### ● 7) मुक्तेश्वर मंदिर

मुक्तेश्वर मंदिर भुवनेश्वर में स्थित दसवीं शताब्दी में बनवाया गया था। मंदिर के शीर्ष पर मौजूद देवताओं की मूर्तियां भी बौद्ध प्रभाव को यह दिखती हैं। इस मंदिर की प्रमुख विशेषता तोरण या मेहराब है जिसे विष्णु रूप से महिरीओं के चर्च और अलग महिरी दिखाने से सजाया गया है।

Highlights

1. Former Karnataka CM Jagadish Shettar joins Congress after quitting BJP
2. Female dancer falls 20 ft and crashes onto the stage during performance at Coachella
3. Passengers' food, drinks spill in Portugal-bound plane after turbulence; video viral
4. What is Starship, the biggest & most powerful rocket set to be launched today?
5. Video shows Rahul eating ice cream at Nandini outlet in K'taka
6. CBI arrests TMC MLA Jiban Krishna after raid over recruitment scam
7. Plea in SC seeks independent committee's probe into Atiq's killing
8. Eyewitness jawan arrested for murder of 4 soldiers at Bathinda Military Station

## Saudi prince announces transfer of 4% Aramco stake to public investment firm

NEW DEH, (Agency). Crown Prince Mohammed bin Salman's decision, announced by the state-run Saudi Press Agency, sends the stake to the Saudi Arabian Investment Co., known as Sanabil Investments. Sanabil is under the sovereign wealth fund known as the Public Investment Fund.

"The transfer will also solidify PIF's strong financial position and credit rating," the statement about the deal said. It gave no possible investment targets for either Sanabil or the PIF.

Saudi Aramco, formally known as the Saudi Arabian Oil Co., acknowledged the shares going to Sanabil. It said the Saudi government remains the oil firm's biggest shareholder, with over 90% of its stock.

"This is a private transfer between the state and Sanabil, and the company is not a



party to the transfer and did not enter into any agreements or pay or receive any proceeds from the transfer," Aramco said in a stock market filing.

In February 2022, another 4% of Aramco had been transferred to the PIF. Just 1.73% of the company, a narrow sliver, is traded on Saudi Arabia's Tadawul stock market since the company's 2019 initial public offering.

Aramco has a market value of \$1.94 trillion, making it the world's third most-valuable firm, behind just Apple and

Microsoft respectively. That makes the 4% worth in theory some \$77.6 billion.

Aramco stock traded slightly up on the Tadawul to \$8.82 a share Sunday.

Aramco reported earning a \$161 billion profit last year, claiming the highest-ever recorded by a publicly listed company. That came off the back of energy prices rising after Russia launched its war on Ukraine in February 2022, with sanctions limiting the sale of Moscow's oil and natural gas in Western markets.

## As TCS, Infosys miss street estimates, experts predict choppy quarters ahead

NEW DEH, (Agency). The results of top-tier companies TCS and Infosys have tripped on global uncertainties and missed street estimates, setting a subdued tone for Q4 show by the IT pack, and experts see choppy 1-2 quarters for the industry but are hopeful of subsequent recovery.

The earnings' season started on a sombre note with the Q4 scorecards that fell short of expectations, but more importantly the management commentary of India's top two IT services companies was punctuated with words of caution about prevailing customer sentiments across BFSI, technology services and certain other verticals, particularly in the US.

While Infosys top brass



spoke of "unplanned project ramp downs and decision making delays by some customers", Tata Consultancy Services (TCS) talked of some clients deferring newer, non-critical initiatives.

Industry veteran and former Infosys director T V Mohandas Pai says Q4FY23 will be subdued for IT players but that extent and impact will depend on profile and strategy of

individual companies.

He sees "a cautious Q1FY24 with some hope of growth coming back in Q2 of this year".

Pai believes uncertainties in the US market is likely to come down in April-June quarter, and that new work will take 1-2 quarters to come by, so "October-November will be better time".



